

कला , संस्कृति एवं युवा विभाग

(संग्रहालय निदेशालय)

बिहारशरीफ संग्रहालय, बिहारशरीफ के प्रमुख संग्रह



डॉ. शिव कुमार मिश्र



बिहारशरीफ संग्रहालय के प्रमुख संग्रह

सम्पूर्ण नालन्दा जिला प्राचीन काल से ही ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण केन्द्र रहा है। बिहारशरीफ, नालन्दा जिला का मुख्यालय है। यह क्षेत्र प्राचीन मगध साम्राज्य में स्थित दो महत्वपूर्ण केन्द्र राजगृह एवं पाटलिपुत्र के मध्य अवस्थित रहने के फलस्वरूप राजनैतिक एवं सांस्कृतिक वैभव केन्द्र के रूप में अभिभूत रहा था।

पूर्व मध्यकाल में बिहारशरीफ बौद्ध शिक्षा का केन्द्र था। प्राचीन शिक्षा केन्द्र उदन्तपुरी महाविहार वर्तमान बिहारशरीफ में ही अवस्थित था। यह क्षेत्र अपनी भौगोलिक स्थिति एवं उपयुक्त परिवेश के कारण भी समन्वित सांस्कृतिक केन्द्र रहा है। यहाँ से प्राप्त पुरातात्विक अवशेष गुप्त, पाल, सल्तनत एवं मुगलकाल के प्रतिनिधित्व करते हैं तथा सनातन, जैन, बौद्ध एवं इस्लाम धर्म के महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में भी साक्ष्य उपस्थापित करते हैं। जिलान्तर्गत तेतरावाँ, घोसरावाँ, तेल्हाड़ा, जीयर, जूनियार, चण्डी–मौ, गिरियक, अकबरपुर, राजगृह, नालन्दा, पावापुरी इत्यादि के पुरास्थल अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं, जहाँ अभी भी प्राचीन संस्कृतियों के अवशेष विशेषकर पाषाण मूर्तियाँ देखी जा सकती हैं। छठी शताब्दी ईसा पूर्व में राजगीर (राजगृह) को मगध साम्राज्य का राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। बिम्बिसार एवं अजातशत्रु इसके प्रमुख सम्राट थे। राजगृह भगवान बुद्ध और महावीर की साधनास्थली रही है। जीविकाम्रवन, गृद्धकूट, बिम्बिसार का कारागार, जरासंध का अखाड़ा, मणियार मठ, स्वर्ण भण्डार, वेणुवन आदि के स्मारक आज भी दर्शनीय हैं।

इस प्रकार सांस्कृतिक लोकप्रियता एवं पुरावशेषों की बहुलता के कारण वर्ष 1982 ई. में राज्य सरकार द्वारा बिहारशरीफ में एक संग्रहालय की स्थापना की गई।

संग्रहालय में गुप्तकाल से लेकर मध्यकाल तक की प्रस्तर मूर्तियाँ संकलित हैं। इनमें अधिकांश प्रस्तर प्रतिमायें बिहारशरीफ से प्राप्त हैं। बिहारशरीफ प्राचीन उदन्तपुरी काल में शिक्षा केन्द्र के साथ–साथ कला का केन्द्र भी रहा है। इसके प्रमाण गढ़पर से प्राप्त मूर्तियाँ हैं। गुप्तकाल में नालन्दा में जो मूर्ति कला विकसित हुई, उसे मगध कला के नाम से जाना जाता है।

संग्रहालय में प्रदर्शित प्रस्तर मूर्तियों में बुद्ध, अवलोकितेश्वर, जम्भल, विष्णु, उमा–महेश्वर, सूर्य, हरिहर, सप्तमातृका, शिवलिंग, धर्म–चक्र प्रवर्तन मुद्रा में बुद्ध के साथ–साथ अरबी–फारसी लिपि में दो प्रस्तर शिलालेख भी हैं, जो ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। दोनों प्रस्तर शिलालेख बिहारशरीफ के बारादरी एवं छोटी तकिया मुहल्ला से प्राप्त है। एन.बी.पी. मृद्भांडों के अलावे अनेक पुरावशेषों का भी यहाँ संग्रह है।

यहाँ नवम शताब्दी ई॰ के बुद्धजन्म दृश्य की प्रतिमा अत्यंत ही विलक्षण है जिसके ऊपर अभिलेख भी उत्कीर्ण है।

प्रस्तुत लघुपुस्तिका के प्रकाशन के लिए संग्रहालय, बिहार के पूर्व निदेशक डॉ. उमेश चन्द्र द्विवेदी एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वरिष्ठ पुरातत्वविद् डॉ. जलज कुमार तिवारी का बौद्धिक सहयोग प्राप्त हुआ है। दोनों विशेषज्ञों के प्रति आभार। मेरे सहयोगी मो. आमिर, आदित्य पब्लिकेशन के फकीर मुहम्मद, राकेश कुमार गुप्ता एवं चन्दन कुमार के सहयोग के बिना इतने कम समय में इसका प्रकाशन असंभव था। सभी को धन्यवाद।

(डॉ. शिवकुमार मिश्र)

बिहारशरीफ संग्रहालय

बिहारशरीफ



सूर्य (Surya)
9th-10th Cent. AD.



स्थापत्य खण्ड (Architectural Member)
9th-10th Cent. AD.



बुद्ध (Buddha)
10th Cent. AD.



बुद्ध (Buddha)
10th Cent. AD.



हरिहर (Harihara)
9th Cent. AD.



अवलोकितेश्वर (Avalokiteshvara)
12th Cent. AD.



अवलोकितेश्वर प्रतिमा का पृष्ठ भाग (Back Portion of Avalokiteshvara)
12th Cent. AD.



देव प्रतिमा (Deity)
09th-10th Cent. AD.



उमा-महेश्वर (Uma-Maheshvara)
10th Cent. AD.



बुद्ध (Buddha)
09th-10th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
09th-10th Cent. AD.



मनौती स्तूप (Votive Stupa)
09th-10th Cent. AD.



मनौती स्तूप (Votive Stupa)
09th-10th Cent. AD.



द्वार-स्तंभ (Door-Jamb)
09th-10th Cent. AD.



मनौती स्तूप (Votive Stupa)
09th-10th Cent. AD.



उमा-महेश्वर (Uma-Maheshvara)
10th Cent. AD.



सूर्य (Surya)
18th Cent. AD.



बुद्ध जन्मदृश्य (Birth Scene of Buddha)
09th Cent. AD.



बुद्ध (Buddha)
10th Cent. AD.



सप्तमातृका (Saptamatrika)
10th Cent. AD.



हरिहर (Harihara)
9th Cent. AD.



फारसी शिलालेख (Inscription)



पार्वती (Parvati)
9th-10th Cent. AD.



जम्भल (Jambhala)
9th-10th Cent. AD.



मनौती स्तूप (Votive Stupa)
9th-10th Cent. AD.



बुद्ध (Buddha)
9th-10th Cent. AD.



चतुर्मुखी शिवलिंग (Chaturmukhi Shivalinga)
10th-11th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
09th-10th Cent. AD.



बुद्ध (Buddha)
09th-10th Cent. AD.



अभिलेखयुक्त बौद्ध प्रतिमा (Inscribed Buddhist Image)
10th Cent. AD.





Published By: Biharsharif Museum, Biharsharif, Dept. of Art Culture And Youth (Directorate of Museum), Govt. of Bihar, 2023

Printed by: Aditya Publication #9576099416